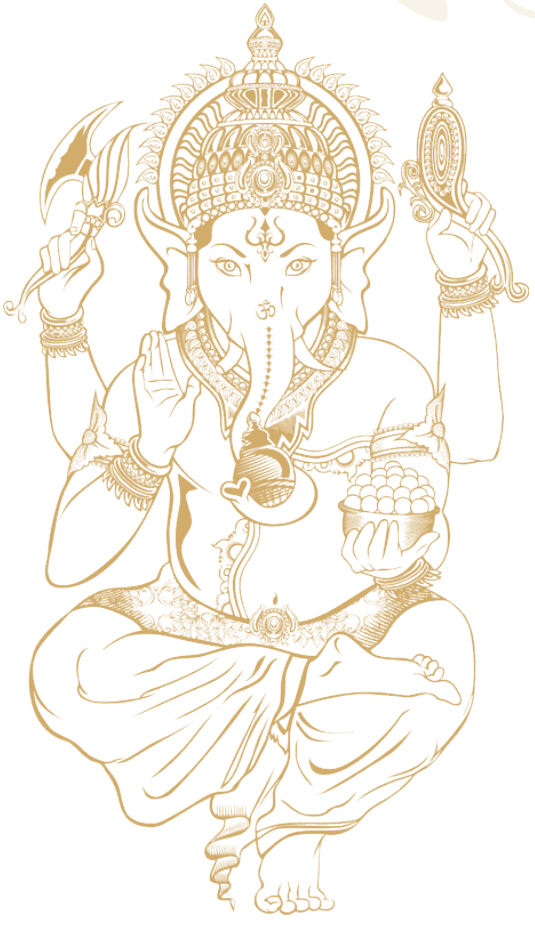

Harmandeep

31 May 1996

11:35 PM

Muktsar

Model: web-freelalkitab

Order No: 121922304

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाऐ खुदाई नहीं।

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/05/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:35:00 घंटे**
इष्ट	45:11:27 घटी
स्थान	**Muktsar**
राज्य	Punjab
देश	India

दादा का नाम	
पिता का नाम	
माता का नाम	
जाति	
गोत्र	

अक्षांश	30:30:00 उत्तर
रेखांश	74:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:03:16 घंटे
वेलान्तर	00:02:20 घंटे
साम्पातिक काल	15:41:19 घंटे
सूर्योदय	05:30:25 घंटे
सूर्यास्त	19:28:42 घंटे
दिनमान	13:58:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:44:26 वृष
लग्न के अंश	18:38:23 मकर

चैत्रादि संवत / शक	2053 / 1918
मास	ज्येष्ठ
पक्ष	शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	13
तिथि समाप्ति काल	07:34:08
जन्म तिथि	14
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	विशाखा
नक्षत्र समाप्ति काल	26:28:00 घंटे
जन्म नक्षत्र	विशाखा
सूर्योदय कालीन योग	परिघ
योग समाप्ति काल	15:42:23 घंटे
जन्म योग	शिव
सूर्योदय कालीन करण	तैतिल
करण समाप्ति काल	07:34:08 घंटे
जन्म करण	वणिज
भयात	48:59:40
भभोग	56:12:09
भोग्य दशा काल	गुरु 2 वर्ष 0 मा 27 दि

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मकर	18:38:23	---	--	--	--	नेक
सूर्य	वृष	16:44:26	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र	वृश्चिक	01:36:14	नीच राशि	--	--	--	नेक
मंगल	मेष	27:38:21	स्वराशि	--	हाँ	--	मन्दा
बुध	मेष	26:25:38	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	व धनु	22:43:16	स्वराशि	--	--	--	नेक
शुक्र	व मिथुन	01:51:19	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
शनि	मीन	11:42:51	सम राशि	--	--	--	नेक
राहु	व कन्या	22:00:40	मूलत्रिकोण	--	--	--	मन्दा
केतु	व मीन	22:00:40	मूलत्रिकोण	--	--	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली

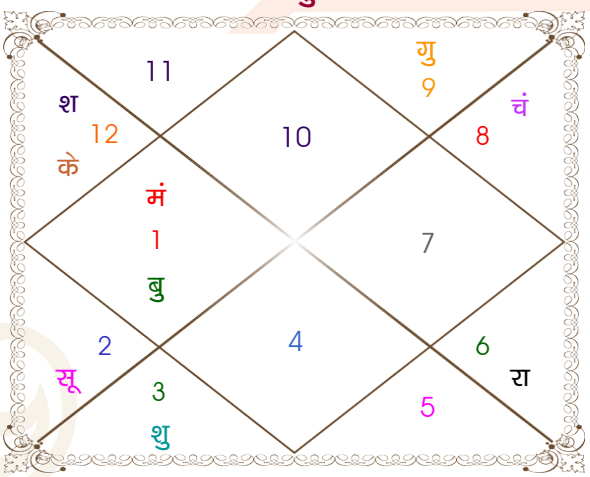

लालकिताब कुंडली

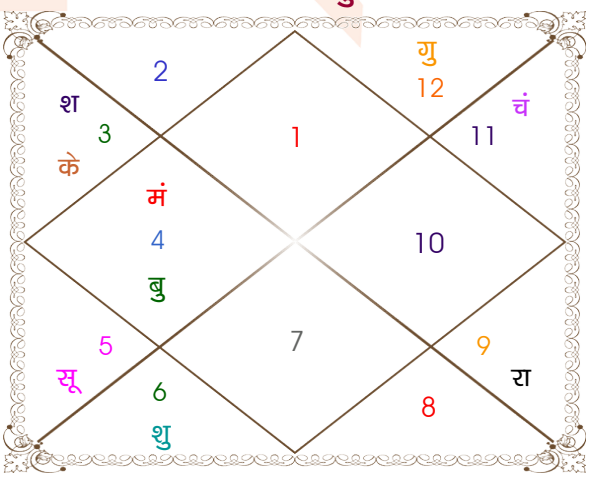

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के पांचवे खाने में सूर्य है। जिसकी वजह से आप पढ़ाई में तेज, उच्च शिक्षित, सत्ता पक्ष से लाभ-प्राप्त करेंगी। संतान सुख मिलेगा। आप सेवक पुत्र की माता होंगी। सुखी माता-पिता/सास-ससुर से युक्त, अपने घर का भाग्य जगाने वाली होंगी, पुत्र प्राप्ति के बाद परिवार में तरक्की होगी। आप सबको साथ लेकर आगे बढ़ने वाली, बहादुर होंगी, बुढ़ापा सुख से बीतेगा। सरकारी अधिकारियों से मधुर संबंध रखेंगी। यदि राजा सहायक न हो तो फकीर से आपका भला होगा। पारिवारिक उन्नति होगी। पौत्र के जन्म के बाद माली हालात अच्छी हो जाएगी। औलाद की वृद्धि होगी, बुढ़ापे में हर तरह का आराम मिलेगा। मां-बाप/सास-ससुर का सुख लंबे समय तक मिलेगा। जिंदगी आराम से गुजरेगी। 42 से 47 साल की आयु तक शुभ फल होगा। ज्यों-ज्यों आयु बढ़ेगी, आप अच्छा रुतबा प्राप्त करेंगी। आपको सरकारी विभाग से मान-सम्मान मिलेगा, गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी, अचानक धन प्राप्ति के भी योग हैं।

यदि आपने चाल-चलन खराब किया या बुरे काम किये, संतान से झगड़ा किया सरकारी विभाग से बेईमानी की या झूठ बोलने की आदत होगी तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से पेट की खराबी होगी जिससे क्रोधी स्वभाव की होंगी। पति छोड़े या मर जाए, दूसरी शादी भी हो सकती है ऐसा शक है। पति की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। पति द्वारा अपमानित भी होना पड़ सकता है। लड़के पर भी बुरा असर हो सकता है। काफी दुःखों का सामना करना पड़ सकता है। औलाद की आर्थिक हालात पर बुरा असर होगा। ससुराल के लिए अशुभ फल रहेगा। झूठ और बेईमानी से धन हानि का भय और दीर्घ रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. झूठ से दूर रहें।
2. किसी के प्रति मन में ईर्ष्या न रखें।

उपाय :

1. बुजुर्गी रस्मों-रिवाज बन्द न करें।
2. पति के भाई, जीजा, दोहते या भांजे में से तीन की सेवा करें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से विद्या का पूरा लाभ उठायेंगी जो आगे आने वाले समय में शुभ रहेगा। अगर आप रात्रि समय विद्या पढ़ें तो लाभ हो सकता है। आपके पास सभी सुख के साधन उपलब्ध रहेंगे। सत्ता का श्रेष्ठतम फल

प्राप्त होगा। 32 वर्ष की उम्र तक लगातार धन आता रहेगा। आपको पुरुषों का सहयोग मिलेगा और पति से लाभ प्राप्त होगा। आमदनी में बरकत होगी।

यदि आपने शुक्रवार विवाह किया या रात्रि समय विवाह के फेरे लिए, प्रभात समय दान दिया या लिया, बुधवार को नया काम शुरु किया, शनिवार मकान मशीनरी खरीदी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से विद्या में रुकावट आयेगी। संतानोत्पत्ति में बाधा होगी या आपको पुत्र प्राप्ति में बाधा आ सकती है। कामशक्ति की दुर्बलता रहेगी (कामशक्ति में कमजोरी के समय किसी वैद्य की सलाह लें या दूध से बनी चीजों का इस्तेमाल करें)। आपकी माता/सास देर से आपके पुत्र का सुख देखेंगी। आपको जब बच्चा पैदा होने वाला हो तो आपकी माता/सास वहां से कहीं और चली जाएं। आपकी माता/सास जन्म के बाद आपके बच्चे को 43 दिन तक आंखों से न देखें या हाथों में न उठायें तो आपकी माता/सास और आपके बच्चे की लम्बी आयु रहेगी वरना एक की आयु क्षीण हो जाएगी। आपका या आपकी माता/सास की आंखों के आप्रेशन का भय है। आपके दादी-माता/सास से अधिक मधुर संबंध नहीं रहेंगे। आप दुश्मन से परेशान रहेंगी। आपके जीवन में उत्थान-पतन के भी योग आ सकते हैं। आपके भाई-बंधु एवं संपत्ति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. विद्या अधूरी न छोड़ें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. भैरों मंदिर में दूध चढ़ावें या मजदूर पेशा आदमी को दूध पिलायें।
2. माता/सास का स्वास्थ्य खराब हो तो 11-11 खोये के पेड़े 11 बच्चों में बांटें।
3. घर में छत के नीचे नदी का पानी रखें।